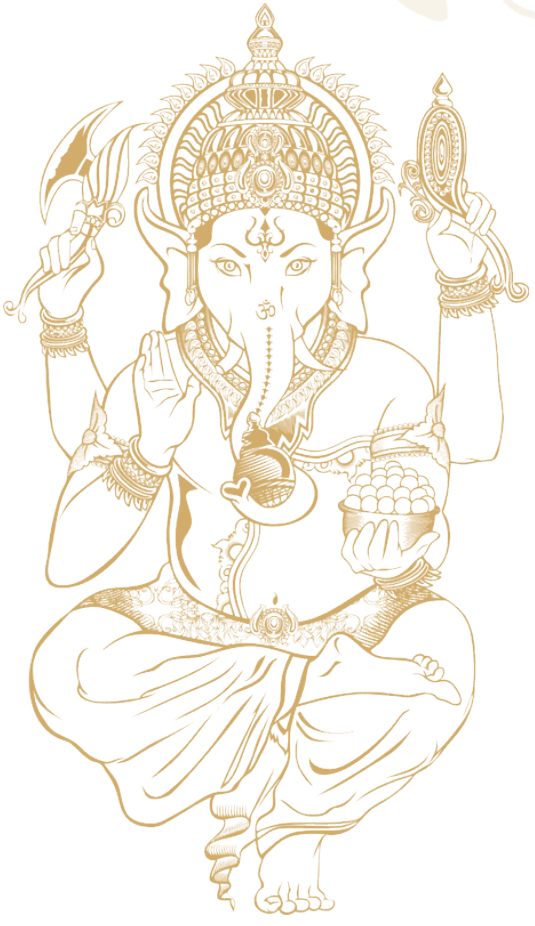

Pulkit

24 Apr 2000

06:30 AM

Nurpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121930105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/04/2000**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**06:30:00 घंटे**
इष्ट	01:07:01 घटी
स्थान	**Nurpur**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	32:18:00 उत्तर
रेखांश	71:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:42:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	05:47:44 घंटे
वेलान्तर	00:01:54 घंटे
साम्पातिक काल	19:57:13 घंटे
सूर्योदय	06:03:11 घंटे
सूर्यास्त	19:18:06 घंटे
दिनमान	13:14:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	10:18:03 मेष
लग्न के अंश	17:52:37 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 4**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	शिव
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भी-भीमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	17:52:37	465:33:42	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	मंगल	---
सूर्य			मेष	10:18:03	00:58:26	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			धनु	10:11:45	11:49:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			मेष	29:15:03	00:42:35	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	स्वराशि
बुध		अ	मीन	24:29:55	01:49:00	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	नीच राशि
गुरु			मेष	20:39:41	00:14:12	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मीन	27:25:45	01:13:55	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि			मेष	24:26:05	00:07:35	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	नीच राशि
राहु	व		कर्क	04:29:28	00:02:58	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	04:29:28	00:02:58	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:34:09	00:01:31	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:39:32	00:00:29	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:38:00	00:01:10	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			मक	03:23:04	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:25

लग्न-चलित

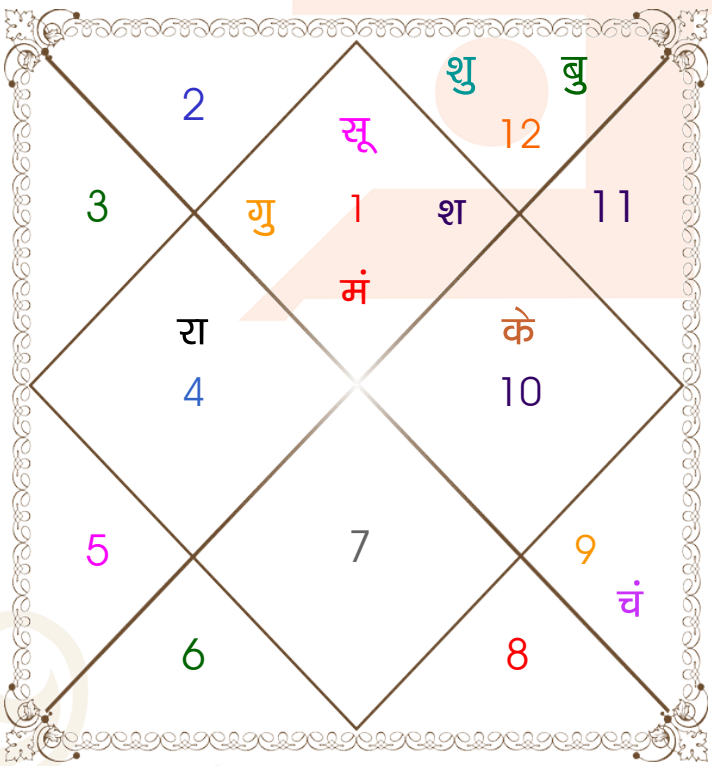

चन्द्र कुंडली

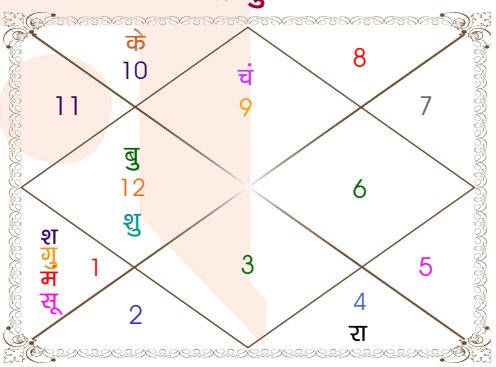

नवमांश कुंडली

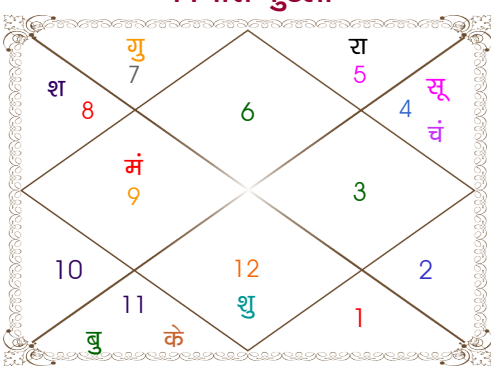

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 7 मास 23 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/04/2000		16/12/2001		16/12/2021		17/12/2027		16/12/2037	
16/12/2001		16/12/2021		17/12/2027		16/12/2037		16/12/2044	
	00/00/0000	शुक्र	17/04/2005	सूर्य	05/04/2022	चंद्र	16/10/2028	मंगल	15/05/2038
	00/00/0000	सूर्य	17/04/2006	चंद्र	05/10/2022	मंगल	17/05/2029	राहु	02/06/2039
	00/00/0000	चंद्र	17/12/2007	मंगल	09/02/2023	राहु	16/11/2030	गुरु	08/05/2040
	00/00/0000	मंगल	15/02/2009	राहु	04/01/2024	गुरु	17/03/2032	शनि	17/06/2041
	00/00/0000	राहु	16/02/2012	गुरु	22/10/2024	शनि	17/10/2033	बुध	14/06/2042
	00/00/0000	गुरु	17/10/2014	शनि	04/10/2025	बुध	18/03/2035	केतु	10/11/2042
	24/04/2000	शनि	16/12/2017	बुध	11/08/2026	केतु	17/10/2035	शुक्र	10/01/2044
शनि	19/12/2000	बुध	16/10/2020	केतु	17/12/2026	शुक्र	17/06/2037	सूर्य	17/05/2044
बुध	16/12/2001	केतु	16/12/2021	शुक्र	17/12/2027	सूर्य	16/12/2037	चंद्र	16/12/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
16/12/2044		17/12/2062		17/12/2078		16/12/2097		18/12/2114	
17/12/2062		17/12/2078		16/12/2097		18/12/2114		00/00/0000	
राहु	29/08/2047	गुरु	03/02/2065	शनि	19/12/2081	बुध	15/05/2100	केतु	16/05/2115
गुरु	22/01/2050	शनि	17/08/2067	बुध	29/08/2084	केतु	12/05/2101	शुक्र	15/07/2116
शनि	28/11/2052	बुध	22/11/2069	केतु	07/10/2085	शुक्र	12/03/2104	सूर्य	20/11/2116
बुध	17/06/2055	केतु	29/10/2070	शुक्र	07/12/2088	सूर्य	17/01/2105	चंद्र	21/06/2117
केतु	05/07/2056	शुक्र	29/06/2073	सूर्य	19/11/2089	चंद्र	18/06/2106	मंगल	17/11/2117
शुक्र	06/07/2059	सूर्य	17/04/2074	चंद्र	20/06/2091	मंगल	15/06/2107	राहु	05/12/2118
सूर्य	29/05/2060	चंद्र	17/08/2075	मंगल	29/07/2092	राहु	02/01/2110	गुरु	11/11/2119
चंद्र	28/11/2061	मंगल	23/07/2076	राहु	05/06/2095	गुरु	09/04/2112	शनि	25/04/2120
मंगल	17/12/2062	राहु	17/12/2078	गुरु	16/12/2097	शनि	18/12/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 7 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह ज्ञात हो रहा है कि आपका जन्म मेष लग्न में अर्थात् जब मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था उस समय भरणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या राशि के नवमांश एवं सिंह राशि के द्रेष्काणा में हुआ था। परिणामस्वरूप यह स्पष्ट हो रहा है कि आप महान भाग्यशाली हैं। प्रसन्नता का विषय यह है कि जब कभी भी संयोग प्राप्त हो मुख्य रूप से लाटरी के टिकट प्राप्त करने का सुअवसर प्राप्त करें ताकि आप शीघ्र ही धनवान बन सकें। अन्यथा परिणाम स्वरूप आप निर्विध्न आराम देह एवं आनंददायक जीवन व्यतीत करने के लिए प्रर्याप्त (धन) आय के अतिरिक्त साधन प्राप्त करें ताकि आपका सुखमय जीवन विलास-प्रियता से व्यतीत हो सके।

आप शरीर से दुबले (कृशकाय) कद के मांसल एवं हृष्ट-पुष्ट शरीर वाले संयमी प्राणी हैं। आपकी उन्नत ललाट, सुंदर और आकर्षक आंखे आपके व्यक्तित्व को अपेक्षाकृत सौंदर्य प्रदान कर रहा हैं। यह संभव है कि आपके मस्तक पर कोई पुराने चोट या घाव के चिह्न हों। आपकी संपूर्ण व्यक्तित्व सुंदर और आकर्षक है, जो मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति सुंदरता का केंद्र है। यह संभव है कि आप कामी नारी के आकर्षण में दिशाहीन होकर अपने शयन कक्ष के अतिरिक्त कहीं बाहर कामोत्तक आनंद प्राप्ति का पता लगाकर आनंद ले तो अन्य नारी के साथ संभोग के परिणाम स्वरूप यौन संबंधी रोग अर्थात् यौन रोग का शिकार हों। ऐसी संभावना है।

आप अपनी वाचाल प्रवृत्ति के प्रभाव से किसी भी विषय पर अपना मंतव्य प्रकट कर देते हैं, जो आवश्यक नहीं है। यह प्रवृत्ति आपकी मेधावीपना की औसत से अधिक है। फिर भी सदैव ही आप बात-चीत कर के अपना मुंह बंद नही रखते लगातार बोलते ही रहते हैं, जो आपके संपर्क में आता है। वह आपको अधिक सामान्य व्यक्ति समझता है। आपको पूर्णरूपेण अधिकाधिक मदद करता है। आपकी मित्रमंडली आपके लाभ के लिए धन का भुगतान भी करते हैं। अर्थात् मित्र से आपको आर्थिक लाभ होता है।

आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हैं कि आप में नेतृत्व की क्षमता विद्यमान है तथा आप एक अच्छे नेता के गुणों से पूर्ण हैं। आप अपनी योजना के संबंध में किसी अन्य की विचारों का कोई महत्व नहीं देतें, वास्तव में आप अपने ही विचारों और निर्णयों को सर्वोपरि समझते हैं। परंतु किसी-किसी विषय में आप भ्रमित होकर किसी अन्य उपाय को अपनाते हैं। परंतु आप बिना किसी बड़ी बाधाओं के भी पार कर लेते हैं। सामान्यतः आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा क्योंकि आप में पूर्ण आत्म शक्ति विद्यमान हैं, जिसके प्रभाव से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परंतु आप जब कोई जोखिम मोल लेंगे तब साधारण रूप से किसी प्रकार से घायल होने के प्रति सर्तकता बरतना होगा। विशेषतया दुर्घटना के कारण सिर में चोट न लगे, इसके लिए आपको पूर्णरूपेण सतर्क रहना चाहिए। क्योंकि यह दुर्घटना संभाव्य है। यदि आप सतर्क रहें तो संभावित दुर्घटना से सुरक्षित रहेंगे। क्योंकि आप कम से कम समय बचा कर भी स्वास्थ्य रक्षा के लिए अत्यधिक उत्साहित एवं अभिलाषित रहते हैं। आपकी बुद्धि और शरीर किसी भी दबाव से स्थिर रहता है।

अतएव आपके लिए यह उचित है कि आप अपनी तनाव मुक्ति हेतु यथा संभव विश्राम प्राप्त कर यथेष्ठ शयन करें। अन्यथा आप नस की गडबड़ी अथवा मस्तिष्क संबंधी रोग से ग्रसित हो जाएंगे। आपके लिए यह पूर्व सूचना है कि आप स्वास्थ्य रक्षा के लिए सभी संभव उपाय करे अर्थात् सचेत रहें, तथा समय-समय पर स्वास्थ्य संबंधी सलाह डॉक्टर से प्राप्त कर ही संयमित जीवन बिताएं। सामान्य स्वास्थ्य को उत्तम रखने के लिए आपको मद्य एवं मंसाहार से बच कर रहना चाहिए। आपको शाकाहारी भोजन का सेवन पर्याप्त मात्रा में करनी चाहिए। आप पर्याप्त मात्रा में धन प्राप्ति संबंधी वार्तालाप करने में विश्वास रखते हैं तथा धन प्राप्ति के सुअवसर प्राप्त करना चाहते हैं। आपको निम्नांकित निर्देशों का पालन करना चाहिए।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। इसके अतिरिक्त अंक 4 एवं 8 अंक से आप आकर्षित हैं। अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए अनुकूल नही है।

आपके लिए लाल, स्वर्णिम एवं पीला रंग भाग्यशाली प्रमाणित होगा।